राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम : हिंदुस्तानी संगीत
पाठ 9 : संगीत के क्षेत्र में महान विभूतियों की जीवनी और उनका योगदान-
राजा मानसिंह तोमर, तानसेन, सदारंग-अदारंग
कार्यपत्रक - 9

1. 'ग्वालियर के राजा मानसिंह तोमर न केवल संगीत के राजसी संरक्षक थे अपितु स्वयं एक संगीतज्ञ भी थे'। दिये गये वाक्य का अपने शब्दों में व्याख्या कीजिये।

2. मियां तानसेन से संबधित कुछ रागों का उल्लेख कीजिये।

3. राजा मानसिंह तोमर द्वारा संकलित पुस्तक की पहचान करें। फ़क़ीरुल्ला द्वारा इसका अनुवाद किस भाषा में किया गया, उल्लेख कीजिये ।

4. राजा मानसिंह तोमर और मियां तानसेन के नामों से संबंधित संगीत विधा की पहचान कीजिये।

5. 'सदारंग' और 'अदारंग' के वास्तविक नाम लिखिए ।

6. 'सदारंग और अदारंग गायन की ख़याल विधा के प्रचार के लिये उत्तरदायी थे'। इस कथन का औचित्य अपने शब्दों में लिखिए ।

7. सदारंग और अदारंग के राजसी आश्रयदाता की पहचान कीजिये। सदारंग और अदारंग की रचनाओं में उनका नाम किस प्रकार दिया गया है उल्लेख कीजिये।

8. मियां तानसेन के किसी एक राजसी आश्रयदाता की पहचान कीजिये।

9. सदारंग की किसी एक रचना का उदाहरण लिखिए।

10. अदारंग की किसी एक रचना का उदाहरण लिखिए।